संस्कृत विभागः

DEPARTMENT OF SANSKRIT

कला-संचार-भाषा-संकायः

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रियशिक्षानीति २०२० अनुरूपः

According to NEP 2020

द्विवर्षीयः स्नातकोत्तरकक्षायाः प्रथमवर्षस्य पाठ्यक्रमः

Syllabus For 1" Year of Two Years
Post Graduation Programme

२०२६-२०२७ सत्रात् प्रवृत्तः

W.E.F. SESSION 2026-2027

हेमवती-नन्दन-बहुगुणा-गढवाल-विश्वविद्यालयः

(केन्द्रिय-विश्वविद्यालयः)

श्रीनगरम् (गढवालः), उत्तराखण्डः

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY
(A CENTRAL UNIVERSITY)
SRINAGAR (GARHWAL), UTTARAKHAND

COURSE STRUCTURE FOR SECOND YEAR PG PROGRAMME UNDER NEP–2020

HNBGU

Course Category	Semester-III				Semester-IV		
	CoursTitle	No. of paper	Credits		Subject /Title	No. of paper	Credits
Discipline Specific Core [DSC]	**DSC-1**	**1**	**5**		**DSC-1**	**1**	**5**
	DSC-2	**1**	**5**		**DSC-2**	**1**	**5**
	DSC-3	**1**	**5**		**DSC-3**	**1**	**5**
Discipline Specific Elective [DSE] (Any 1 out of Minimum 2 elective)	**DSC-4**	**1**	**5**		**DSC-4**	**1**	**5**
	DSE-3	**1**	**4**		**DSE-4**	**1**	**4**
Total		**5**	**24**			**5**	**24**
NHEQF Level 6.5	**Student after successfully completing second year of 2-year PG (i.e., securing minimum 96 credits) will be awarded "Postgraduate Degree" of two years, in related field/discipline/subject.**						

Note:

1. In case of Vocational course being offered by the department, the 4 credits may be given entirely to the theory course or distributed between theory and practical as per the requirements.
2. Student will continue with the same minor in the third year (V & VI Semester) as studied in the second year (III & IV semester) of the FYUP.

❖ Community Outreach: The curricular component of 'Community Outreach' will involve activities that would expose students to the socio-economic issues in society so that the theoretical learnings can be supplemented by actual life experiences to generate solutions to real-life problems.

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

COURSE STRUCTURE FOR SECOND YEAR PG PROGRAMME UNDER NEP–2020

3rd Semester (तृतीय सत्र)–

Course Category	Paper's Title	Credit
DSC–1 **Core Major IX:**	**वैदिकसाहित्यम्** (ब्राह्मणानि, आख्यानानि, उपनिषच्चेति)	**5**
DSC–2 **Core Major X:**	**भारतीयदर्शनम्** (न्यायसूत्रं वैशेषिकसूत्रं च)	**5**
DSC–3 **Core Major XI:**	**साहित्यशास्त्रं नाट्यशास्त्रं च**	**5**
DSC–4 **Core Major XII:`**	**काव्यशास्त्रम्** (काव्यप्रकाशः)	**5**
DSE–3 **Core Major Elective III:**	**संस्कृतव्याकरणशास्त्रस्य इतिहासः वाक्यपदीयं च** (ब्रह्मकाण्डः) **OR** (अथवा) **पुराणेवतहासौ** (पुराणवाङ्मयेतिहासः स्कन्दमहापुराणम् च)	**4**

Total Papers: 5 **Total Credits: (24)**

4th Semester (चतुर्थ सत्र)–

Course Category	Paper's Title	Credit
DSC–1 **Core Major XIII:**	**भारतीयदर्शनम्** (पातञ्जलयोगसूत्रं तथा सर्वदर्शनसङ्ग्रहः)	**5**
DSC–2 **Core Major XIV:**	**काव्यशास्त्रम्** (ध्वन्यालोकः तथा वक्रोक्तिजीवितम्)	**5**
DSC–3 **Core Major XV:**	**नाटिका नाट्यशास्त्रं च** (रत्नावली तथा दशरूपकम्)	**5**
DSC–4 **Core Major XVI:**	**धर्मशास्त्रम्** (कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्)	**5**
DSE–4 **Core Major Elective IV:**	**खण्डकाव्यं स्तोत्रकाव्यं च** **OR** (अथवा) **निबन्धः तथा गढ़वालस्य प्रमुखानि तीर्थस्थानानि**	**4**

Total Papers: 5 **Total Credits: (24)**

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः, श्रीनगरम् (गढ़वाल), उत्तराखण्ड

द्विवर्षीयस्नातकोत्तरपरीक्षापाठ्यक्रमः

द्विवर्षीय स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

एम.ए. तृतीयं षाण्मासिकं सत्त्रम्

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

सूचना–

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय (४०+६०=१००) पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु (४०) अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) (६०)अङ्काश्च षाण्मासिकसत्त्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए (४०+६०=१००) पूर्णाङ्क हैं। इनमें से (४०) अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और (६०) अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

Core Major IX: CREDITS 05

प्रथम् प्रश्नपत्रम्– वैदिकसाहित्यम् (ब्राह्मणानि आख्यानानि उपनिषच्चेति) पूर्णाङ्काः ६०

प्रथम प्रश्नपत्र– वैदिकसाहित्यम् (ब्राह्मण, आख्यान और उपनिषद)

(क) पञ्चमहायज्ञ, दशपूर्णमास यज्ञ १५

(ख) उपनिषद- **ईश्, कठ, केन** ३०

(ग) आख्यान- **(शुनः शेप वांगनस)** १५

सहायकाः ग्रन्थाः -

(क) भगवद्दत्तकृतः, *वैदिकवाङ्मयस्य इतिहासः*, नवी दिल्ली: प्रणवप्रकाशनम्, १/२८, पंजाबीबागः।

भगवद्दत्तकृत, *वैदिक वाङ्मय का इतिहास*, नई दिल्ली: प्रणव प्रकाशन, १/२८ पंजाबी बाग।

(ख) **शतपथब्राह्मणम्** (माध्यन्दिनशाखा), **प्रथमकाण्डः**, वाराणसी: **चौखम्बा संस्कृत–सीरिज् / चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्**, संस्करणम्।

शतपथब्राह्मणम् (माध्यन्दिन–शाखा), प्रथम काण्ड। वाराणसी: चौखम्बा संस्कृत सीरीज़/चौखम्बा सुरभारती, संस्करण।

(ग) **कात्यायनश्रौतसूत्रम्**, सम्पादकः **विद्याधरशर्मा**, वाराणसी: **चौखम्बा संस्कृत–प्रतिष्ठानम्**।

कात्यायनश्रौतसूत्रम्, सम्पादक. विद्याधर शर्मा, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान।

(घ) **ईशावास्योपनिषद्,** गोरखपुरम्, **गीता–प्रेस्**, 2020।

ईशावास्योपनिषद्, गोरखपुर, गीता प्रेस, 2020।

(ङ) **कठोपनिषद्,** गोरखपुरम्, **गीता–प्रेस्**, 2023।

कठोपनिषद्, गोरखपुर, गीता प्रेस, 2023।

(च) **केनोपनिषद्**, गोरखपुरम्, **गीता–प्रेस्**, 2023।

केनोपनिषद्, गोरखपुर, गीता प्रेस, 2023।

(छ) **वैदिकाख्यानसाहित्यम्** सम्बन्धिनः **शोधग्रन्थाः**, विश्वविद्यालयीय–समालोचनात्मक–संस्करणानि।

वैदिक आख्यान–साहित्य पर शोधग्रन्थ विश्वविद्यालयीय/समालोचनात्मक संस्करण।

Core Major X : CREDITS 05

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् - भारतीयदर्शनम् (न्यायसूत्रं वैशेषिकसूत्रं च) पूर्णाङ्काः ६०

द्वितीय प्रश्नपत्र– भारतीयदर्शनम् (न्यायसूत्र एवं वैशेषिकसूत्र)

(क) गौतमकृते **न्यायसूत्रे** प्रथम अध्यायः ३०

गौतम. **न्यायसूत्र** प्रथम अध्याय

(ख) कणादकृते **वैशेषिकसूत्रे** प्रथम अध्यायः शङ्करमिश्रकृतोपस्कारसहितः ३०

कणाद. **वैशेषिकसूत्र** प्रथम अध्याय, शङ्करमिश्रकृत उपस्कारसहित

सहायका: ग्रन्था: –

(१) गोतमकृतं **न्यायदर्शनम्** वात्सायनभाष्योपेतम्. दुण्डिराजशास्त्रिकृत-प्रकाशिकया टीकायोपेतम्. सम्पादकः नारायणमिश्रः. वाराणसी चौखम्भा संस्कृतभवनम्, विक्रमसंवत्सरः २०६४.

गोतम. **न्यायदर्शन** वात्सायनभाष्य सहित दुण्डिराजशास्त्रिकृत प्रकाशिका टीका सहित. सम्पादक नारायणमिश्र, वाराणसी चौखम्भा संस्कृतभवन, विक्रम संवत्सर २०६४.

(२) कणादकृतं **वैशेषिकसूत्रम्** उपस्कारसहितम् प्रकाशिकाहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च ढुण्डिराजः शास्त्री. वाराणसी चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६४.

कणाद. **वैशेषिकसूत्र** उपस्कारसहित. प्रकाशिका हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक ढुण्डिराज शास्त्री. वाराणसी चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६४

(3) माधवाचार्यकृते सर्वदर्शनसङ्ग्रहे काश्मीरिकप्रत्यभिज्ञादर्शनम्

माधवाचार्य. सर्वदर्शनसङ्ग्रह काश्मीरिक प्रत्यभिज्ञादर्शन

(4) माधवाचार्यकृतः सर्वदर्शनसंग्रहः, व्याख्याकारः सम्पादकश्च उमाशङ्करः शर्मा ऋषिः. वाराणसी चौखम्बाविद्याभवनम्, २००८.

माधवाचार्य. सर्वदर्शनसंग्रह, व्याख्याकार और सम्पादक उमाशङ्कर शर्मा ऋषि. वाराणसी चौखम्बा विद्या भवन, २००८.

Core Major XI : CREDITS 05

तृतीयं प्रश्नपत्रम् - साहित्यशास्त्रं नाट्यशास्त्रं च पूर्णाङ्काः ६०

तृतीय प्रश्नपत्र - साहित्यशास्त्र और नाट्यशास्त्र

(क) विश्वनाथकविराजकृतौ **साहित्यदर्पणे** प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ, तृतीयपरिच्छेदो रसनिष्पत्तिपर्यन्तः, षष्ठपरिच्छेदश्च ३०

विश्वनाथ कविराज. **साहित्यदर्पण** प्रथम, द्वितीय, तृतीय परिच्छेद रसनिष्पत्तिपर्यन्त और षष्ठ परिच्छेद

(ग) भरतमुनिकृते **नाट्यशास्त्रे** प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ ३०

भरतमुनि. नाट्यशास्त्र प्रथम और द्वितीय अध्याय

सहायका: ग्रन्था: –

(१) विश्वनाथकविराजकृतः **साहित्यदर्पण**: लक्ष्मीटीकोपेतः. टीकाकारः श्रीकृष्णमोहनः शास्त्री. वाराणसी चौखम्बासंस्कृतसीरिजम्, १९५५.

विश्वनाथकविराज. **साहित्यदर्पण** लक्ष्मीटीकायुक्त. टीकाकार श्रीकृष्णमोहन शास्त्री. वाराणसी चौखम्बा संस्कृत सीरिज, १९५५.

(२) भरतमुनिकृतं **नाट्यशास्त्रम्** अभिनवभारतीसहितम्. संस्कर्ता आचार्यः विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणिः. दिल्ली हिन्दीअनुसन्धानपरिषद् दिल्ली विश्वविद्यालयः.

भरतमुनि. **नाट्यशास्त्र** अभिनवभारतीसहित. संस्कर्ता आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. दिल्ली हिन्दी अनुसन्धान परिषद् दिल्ली विश्वविद्यालय.

(३) भरतमुनिकृतं **नाट्यशास्त्रम्** प्रथमद्वितीयाध्यायात्मकम् प्रतिसंस्कर्ता डॉ. हरिदत्त शास्त्री. सम्पादकः डॉ. भवभूति शर्मा. मेरठम् साहित्यभाण्डारम्, १९९५.

भरतमुनि. नाट्यशास्त्र प्रथम द्वितीय अध्याय. प्रतिसंस्कर्ता डॉ. हरिदत्त शास्त्री. सम्पादक डॉ. भवभूति शर्मा. मेरठ साहित्य भण्डार, १९९५.

Core Major XII : CREDITS 05

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् – काव्यशास्त्रम् (काव्यप्रकाश**:)** पूर्णाङ्काः६०

चतुर्थ प्रश्नपत्र– काव्यशास्त्र **(**काव्यप्रकाश**)**

(क) मम्मटकृते काव्यप्रकाशम्- ६०

प्रथमद्वितीयतृतीयचतुर्थाष्टमा उल्लासाः। नवमोल्लासस्य वक्रोक्तिः, अनुप्रासः, यमकं चेति अलङ्काराः। दशमोल्लासस्य उपमा, अनन्वयः, उत्प्रेक्षा, ससन्देहः, रूपकम्, अपह्नुतिः, समासोक्तिः, निदर्शना, दृष्टान्तः, तुल्ययोगिता, व्यतिरेकः, विभावना, विशेषोक्तिः, संसृष्टिः, संकरश्चेति अलङ्काराः।

मम्मट, काव्यप्रकाश–

प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, अष्टम उल्लास। नवम उल्लास के वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक अलङ्कार। दशम उल्लास के उपमा, अनन्वय, उत्प्रेक्षा, ससन्देह, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, निदर्शना, दृष्टान्त, तुल्ययोगिता, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, संसृष्टि और संकर अलंकार ।

सहायका: ग्रन्थाः –

(१) मम्मटकृतः **काव्यप्रकाश:** बालबोधिन्या टीकयोपेतः. टीकाकारः झळकीकरोपनामा भट्टवामनाचार्यः. पुणे भाण्डारकरप्राच्यविद्यासंशोधन-मन्दिरम्, १९८३.

मम्मट. **काव्यप्रकाश** बालबोधिनी टीकासहित. टीकाकार भट्टवामनाचार्य झळकीकर. पुणे भाण्डारकर प्राच्यविद्या संशोधन मन्दिर, १९८३.

(२) मम्मटकृतः **काव्यप्रकाश:** हिन्दीव्याख्योपेतः. व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणिः. सम्पादको डॉ. नरेन्द्रः. वाराणसी ज्ञानमण्डलम् लिमिटेड, संवत्सरः २०३१.

मम्मट. **काव्यप्रकाश** हिन्दीव्याख्यासहित. व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. सम्पादक डॉ. नरेन्द्र. वाराणसी ज्ञानमण्डल लिमिटेड, संवत्सर २०३१.

(३) मम्मटकृतः **काव्यप्रकाश:**. हिन्द्यनुवादोपेतः व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ. श्रीनिवासशास्त्री. मेरठम् साहित्यभाण्डारम्, १९९४.

मम्मट. **काव्यप्रकाश** हिन्दी अनुवाद सहित. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. श्रीनिवासशास्त्री. मेरठ साहित्यभण्डार, १९९४.

(४) मम्मटकृतः. काव्यप्रकाशः भागद्वयात्मकः सम्प्रदायप्रकाशिन्या टीकयोपेतः. टीकाकारः श्रीविद्याचक्रवर्ती. अंग्रेज्यनुवादकः

सम्पादकश्च डॉ. रमेशचन्द्रः द्विवेदी. दिल्ली मोतीलालः बनारसीदासः, १९७७- १९७०.

Mammata. Kāvyaprakāśa Vol.1&2 with the commentary Sampradāyaprakāśinī of Śrīvidyācakravartin. Eng. Tran. Dr. Ramesh Chandra Dwivedi. Delhi: Motilal Banarasidass, 1977-1970.

Core Major Elective III : CREDITS 04

पंचम् प्रश्नपत्रम्– संस्कृतव्याकरणशास्त्रस्य इतिहासः वाक्यपदीयं च (ब्रह्मकाण्डः) **पूर्णाङ्काः** ६०

पंचम प्रश्नपत्र- संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास एवं वाक्यपदीयं **(**ब्रह्मकाण्ड)

(क) **संस्कृतव्याकरणशास्त्रस्य इतिहासः** ३०

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास

(ख) भर्तृहरिकृते **वाक्यपदीये** प्रथमं ब्रह्मकाण्डम् ३०

भर्तृहरि. **वाक्यपदीय** प्रथम ब्रह्मकाण्ड

सहायका: ग्रन्था: -

(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी, प्रथम संस्करण

(ख) भर्तृहरिकृतं वाक्यपदीयम् हिन्दीविवरणसमलङ्कृतम्, विवरणकारः संपादकश्च शिवशङ्करः अवस्थी. वाराणसी चौखम्बाविद्याभवनम्, २००६.

भर्तृहरि. वाक्यपदीय हिन्दीविवरण सहित. विवरणकार और संपादक शिवशङ्कर अवस्थी. वाराणसी चौखम्बा विद्या भवन, २००६.

(ग) भर्तृहरिकृतं वाक्यपदीयम् अम्बाकर्त्या व्याख्ययोपेतम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च रघुनाथः शर्मा. वाराणसी। चौखम्बासंस्कृतसीरिजऑफ़िसम्.

भर्तृहरि. वाक्यपदीय अम्बाकर्ती व्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक रघुनाथ शर्मा. वाराणसी चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफ़िस.

OR (अथवा)

Core Major Elective III : CREDITS 04

पञ्चमं प्रश्नपत्रम् – पुराणेवतहासौ (पुराणवाङ्मयेतिहासः स्कन्दमहापुराणम् च) पूर्णाङ्काः ६०

पञ्चम प्रश्नपत्र- पुराण और इतिहास (पुराणवाङ्मय का इतिहास और स्कन्दमहापुराण)

(क)पुराणशब्दस्यार्थः, पुराणस्य पञ्चलक्षणम् सर्गः, प्रतिसर्गः, वंशः, मन्वन्तरं, वंश्यानुचरितं चेति। पुराणानां रचयितारः, वक्तारः, श्रोतारश्च। पुराणानां वर्गीकरणम्- महापुराणानि, उपपुराणानि, औपपुराणानि, उपौपपुराणानि, सात्त्विकपुराणानि, राजसपुराणानि, तामसपुराणानि चेति। पौराणिको धर्मः संस्कृतिश्च । पुराणैर्वेदानामुपबृंहणम्। पुराणानां भाषा शैली च। ४०

पुराण शब्द का अर्थ, पुराण के पञ्चलक्षण सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंश्यानुचरित। पुराणों के रचयिता, वक्ता और श्रोता। पुराणों का वर्गीकरण- महापुराण, उपपुराण, औपपुराण, उपौपपुराण, सात्त्विक पुराण, राजस पुराण और तामस पुराण। पौराणिक धर्म और संस्कृति। पुराणों द्वारा वेदार्थोपबृंहण। पुराणों की भाषा और शैली।

(ख) **स्कन्दमहापुराणे** माहेश्वरखण्डः २०

स्कन्दमहापुराण माहेश्वरखण्ड

सहायका: ग्रन्था: -

(१) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः पुराण-विमर्शः. वाराणसी चौखम्बा विद्याभवनम्, १९७८.
उपाध्याय, बलदेव. पुराण-विमर्श, वाराणसी चौखम्बा विद्या भवन, १९७८.

(२) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं पुराणपर्यालोचनम् समीक्षात्मको भागः. वाराणसी। चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७५.
त्रिपाठी, कृष्णमणि. पुराणपर्यालोचन समीक्षात्मक भाग. वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७५.

(३) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं पुराणपर्यालोचनम् गवेषणात्मको भागः. वाराणसी। चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७६.
त्रिपाठी, कृष्णमणि. पुराणपर्यालोचन गवेषणात्मक भाग. वाराणसी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७६.

(४) **स्कन्दमहापुराणम्**. भूमिकालेखकः पुष्पेन्द्रकुमारः. दिल्ली। नाग पब्लिशर्ज ११ए/यू०ए० जवाहरनगरम्, १९८४.
स्कन्दमहापुराण, भूमिकालेखक पुष्पेन्द्रकुमार दिल्ली नाग पब्लिशर्ज ११ए/यू०ए० जवाहर नगर, १९८४.

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः, श्रीनगरम् (गढ़वाल), उत्तराखण्ड

द्विवर्षीयस्नातकोत्तरपरीक्षापाठ्यक्रमः

संस्कृतविषये एम.ए. चतुर्थषाण्मासिकसत्त्रान्तपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः

एम.ए. चतुर्थं षाण्मासिकं सत्त्रम् एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

सूचना–

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय (४०+६०=१००) पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु (४०) अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) (६०)अङ्काश्च षाण्मासिकसत्त्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए (४०+६०=१००) पूर्णाङ्क हैं। इनमें से (४०) अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और (६०) अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

Core Major XIII : CREDITS 05

प्रथम् प्रश्नपत्रम् - भारतीयदर्शनम् (पातञ्जलयोगसूत्रम्, सर्वदर्शनसङ्ग्रहः**)** **पूर्णाङ्काः** ६०

प्रथम् प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (पातञ्जलयोगसूत्र एवं सर्वदर्शनसङ्ग्रह)

(क) पतञ्जलिकृतं **पातञ्जलयोगसूत्रम्** ३०
पतञ्जलि. **पातञ्जलयोगसूत्र**

(ख) माधवाचार्यकृते **सर्वदर्शनसङ्ग्रहे** चार्वाकजैनबौद्धमतानि ३०
माधवाचार्य. **सर्वदर्शनसङ्ग्रह** चार्वाक, जैन, बौद्ध मत

सहायका: ग्रन्था: -

(१) पतञ्जलिकृतं योगदर्शनम् व्यासभाष्योपेतम्. हिन्द्यनुवादको हरिहरानन्द आरण्यः. सम्पादको रामशङ्करः भट्टाचार्यः. दिल्ली मोतीलाल बनारसीदासः, २००३.
पतञ्जलि. योगदर्शन व्यासभाष्य सहित. हिन्दी अनुवादक हरिहरानन्द आरण्य. सम्पादक रामशङ्कर भट्टाचार्य. दिल्ली मोतीलाल

बनारसीदास, २००३.

(२) माधवाचार्यकृतः सर्वदर्शनसंग्रहः, व्याख्याकारः सम्पादकश्च उमाशङ्करः शर्मा ऋषिः. वाराणसी चौखम्बाविद्याभवनम्, २००८.

माधवाचार्य. सर्वदर्शनसंग्रह. व्याख्याकार और सम्पादक उमाशङ्कर शर्मा ऋषि. वाराणसी चौखम्बा विद्या भवन, २००८.

Core Major XIV : CREDITS 05

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्- काव्यशास्त्रम् (ध्वन्यालोकः तथा वक्रोक्तिजीवितम्) पूर्णाङ्काः ६०

द्वितीय प्रश्नपत्र- काव्यशास्त्र (ध्वन्यालोकः तथा वक्रोक्तिजीवितम्)

(क) आनन्दवर्धनकृते **ध्वन्यालोके** प्रथम उद्योतः ३०

आनन्दवर्धन. **ध्वन्यालोक** प्रथम उद्योत

(ख) कुन्तककृत **वक्रोक्तिजीवितं** प्रथम उन्मेषः ३०

कुन्तक. **वक्रोक्तिजीवित** प्रथम उन्मेष

सहायकाः ग्रन्थाः–

(१) आनन्दवर्धनकृतः **ध्वन्यालोकः.** अंग्रेजीभाषानुवादकः सम्पादकश्च विष्णुपादभट्टाचार्यः. कलकत्ता: फर्मा क्लम प्राइवेट लिमिटेड, १९८१.

Ānandavardan. *The Dhvanyālokaḥ.* Tran. & Ed. Biṣṇupāda Bhaṭṭācārya. Calcutta: Firma Klm Private Ltd, 1981.

(२) आनन्दवर्धनकृतः **ध्वन्यालोकः.** व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ कृष्णकुमारः. मेरठम् साहित्यभण्डार सुभाषबाजारः.

आनन्दवर्धन. **ध्वन्यालोक.** व्याख्याकार और सम्पादक डॉ कृष्णकुमार. मेरठ साहित्य भण्डार सुभाष बाजार.

(३) आनन्दवर्धनकृतः **ध्वन्यालोकः.** अभिनवगुप्तकृतलोचनटीकासहितः. हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च जगन्नाथपाठकः. वाराणसी: चौखम्बा विद्याभवनम्, २००६.

आनन्दवर्धन. **ध्वन्यालोक.** अभिनवगुप्त लोचनटीका सहित. हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक जगन्नाथ पाठक. वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, २००६.

(४) आनन्दवर्धनकृतः **ध्वन्यालोकः.** अनुवादकः सम्पादकश्च रामसागर त्रिपाठी. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, विक्रमसंवत् २०२०.

आनन्दवर्धन. **ध्वन्यालोक.** अनुवादक और सम्पादक रामसागर त्रिपाठी. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, विक्रम संवत् २०२०.

(५) कुन्तककृतं **वक्रोक्तिजीवितम्** सुधासंस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् व्याख्याकारः सम्पादकश्च परमेश्वरदीनः पाण्डेयः. वाराणसी: चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २००८.

कुन्तक. **वक्रोक्तिजीवित.** सुधा संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक परमेश्वरदीन पाण्डेय. वाराणसी: चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २००८.

Core Major XV : CREDITS 05

तृतीयं प्रश्नपत्रम्- नाटिका नाट्यशास्त्रं च (रत्नावली, दशरूपकम्) पूर्णाङ्काः ६०

तृतीय प्रश्नपत्र- नाटिका और नाट्यशास्त्र (रत्नावली एवं दशरूपकम्)

(क) हर्षदेवकृता **रत्नावली** ३०

हर्षदेव. **रत्नावली**

(ख) धनञ्जयकृते **दशरूपके** प्रथमप्रकाशः द्वितीयप्रकाशश्च नायिकाभेदरहितः ३०

धनञ्जय. **दशरूपक** प्रथम प्रकाश और द्वितीय प्रकाश नायिकाभेद को छोड़कर

सहायकाः ग्रन्थाः -

(१) हर्षदेवकृता रत्नावली. व्याख्याकार: सम्पादकश्च डॉ. शिवप्रसाद शास्त्री. मेहता साहित्य भण्डारम्, १९९४.

श्रीहर्षदेव. रत्नावली. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. शिवप्रसाद शास्त्री. मेहता साहित्य भण्डार, १९९४.

(२) हर्षदेवकृता रत्नावली. अँग्रेजीभावानुवादकः सम्पादकश्च एम. आर. काले. दिल्ली: मोतीलाल: बनारसीदास, १९९६.

Harṣadeva. The Ratnāvalī Eng. Tran. & Ed. M. R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 1996.

(३) धनञ्जयकृतं **दशरूपकम्.** धनिककृतावलोकव्याख्योपेतम् चन्द्रकलाहिन्दीव्याख्यायुतम् च. हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च भोलाशंकरः व्यासः. वाराणसी: चौखम्बा विद्याभवनम्, २००६.

धनञ्जय. **दशरूपक.** धनिककृत अवलोकव्याख्या और भोलाशंकर व्यास कृत चन्द्रकला हिन्दीव्याख्या सहित. हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक भोलाशंकर व्यास. वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, २००६.

(४) धनञ्जयकृतं **दशरूपकम्.** हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च श्रीनिवासशास्त्री. मेरठम् साहित्यभण्डारः सुभाषबाजारः, २००३.

धनञ्जय. **दशरूपक.** हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक श्रीनिवास शास्त्री. मेरठ। साहित्य भण्डार सुभाष बाजार, २००३.

Core Major XVI : CREDITS 05

चतुर्थ प्रश्नपत्रम्– धर्मशास्त्रम् (कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्**)** पूर्णाङ्काः ६०

चतुर्थ प्रश्नपत्र– धर्मशास्त्रम् (कौटिलीय अर्थशास्त्र**)**

(ग) कौटिलीयम् **अर्थशास्त्रम्** प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम अधिकरण ६०

कौटिलीय **अर्थशास्त्र** प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम अधिकरण

सहायकौ ग्रन्थौ–

(१) कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् हिन्द्यनुवादोपेतम्. अनुवादको भाष्यकारश्च रघुनाथसिंहः. वाराणसी कृष्णदाससंस्कृतसीरिजम्.

कौटिलीय अर्थशास्त्र हिन्दी अनुवाद सहित. अनुवादक और भाष्यकार रघुनाथसिंह. वाराणसी कृष्णदास संस्कृत सीरिज.

(२) कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् हिन्द्यनुवादसहितम्. अनुवादको भाष्यकारश्च वाचस्पतिः गैरोलाः. वाराणसी चौखम्बाविद्याभवनम्, २००९.

कौटिलीय अर्थशास्त्र हिन्दी अनुवाद सहित. अनुवादक और भाष्यकार वाचस्पति गैरोला. वाराणसी चौखम्बा विद्या भवन, २००९.

Core Major Elective IV : CREDITS 04

पंचम् प्रश्नपत्रम्– खण्डकाव्यं स्तोत्रकाव्यं च **पूर्णाङ्काः** ६०

पंचम प्रश्नपत्र- खण्डकाव्य एवं स्तोत्रकाव्य

(क) कालिदासकृतं **मेघदूतम्** ४५

कालिदासकृत **मेघदूत**

(ख)पुष्पदन्तकृतं महिम्नस्तोत्रम् १५

पुष्पदन्तकृत महिम्नस्तोत्र

सहायकाः ग्रन्थाः -

(१) कालिदासकृतं **मेघदूतम्** चन्द्रकलासंस्कृतहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः शेषराजशर्मा रेमी. वाराणसी: चौखम्बाविद्याभवनम्, २००७.

कालिदास. **मेघदूत** चन्द्रकला संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार शेषराजशर्मा रेमी. वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, २००७.

(२) कालिदासकृतं **मेघदूतम्.** सम्पादको संसारचन्द्र-मोहनदेवपन्तौ. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, १९९६.
कालिदास. **मेघदूत.** सम्पादक संसारचन्द्र और मोहनदेवपन्त. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, १९९६.

(३) कालिदासकृतं **मेघदूतम्** संस्कृतहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः दयाशङ्करः शास्त्री. वाराणसी: चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २०१२.

कालिदास. **मेघदूत** संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार दयाशंकर शास्त्री. वाराणसी: चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २०१२.

(४) कालिदासकृतम् **मेघदूतम्.** अंग्रेजीभाषानुवादकः सम्पादकश्च एम. आर. काले. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, २००२.

(५) पुष्पदन्तकृतं **महिम्नस्तोत्रम्** मधुसूदनीव्याख्योपेतम्, व्याख्याकारः मधुसूदनसरस्वती. सम्पादकः स्वामी रघुनाथगिरिः. कानपुरम्। लाला रामचन्द्रः गिरिधरभवनम् हटिया, १९६५.

पुष्पदन्त. **महिम्नस्तोत्र** मधुसूदनी व्याख्या सहित. व्याख्याकार मधुसूदन सरस्वती. सम्पादक स्वामी रघुनाथगिरि, कानपुर लाला रामचन्द्र गिरिधर भवन हटिया, १९६५.

(६) पुष्पदन्तकृतं **शिवमहिम्नस्तोत्रम्**. गोरखपुरम् गीता प्रेसः, विक्रमसंवत्सरः २०५६.

पुष्पदन्त. **शिवमहिम्नस्तोत्र** गोरखपुर गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५६.

OR (अथवा)

Core Major Elective IV : CREDITS 04

पंचम प्रश्नपत्रम्- निबन्धः तथा गढ़वालस्य प्रमुखानि तीर्थस्थानानि **पूर्णाङ्काः** ६०

पंचम प्रश्नपत्र- निबन्ध और गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ स्थल

(क) **निबन्धः** **३०**

निबन्ध

(संस्कृते १५-१५ अङ्कमितौ द्वौ निबन्धौ संस्कृतवाङ्मयेन सम्बद्धौ भविष्यतः।)

(संस्कृत में १५-१५ अङ्कों के दो निबन्ध संस्कृत वाङ्मय से सम्बन्धित होंगे।)

(ख) **गढ़वालस्य प्रमुखतीर्थस्थलानि-** ३०

हरिद्वारम्, हृषीकेशः (ऋषिकेशः), देवप्रयागः, श्रीक्षेत्रम् (श्रीनगरम्), पञ्चबदर्यः, बदरीनाथः, केदारनाथः, तुङ्गनाथः, रुद्रनाथः, मध्यमेश्वरः, कल्पेश्वरः, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायणः, कालिमठः, गोस्थलम् (गोपेश्वरः), सूर्यप्रयागः (तिलवाड़ा), कर्णप्रयागः, नन्दादेवी नन्दाराजयात्रा च, रुद्रप्रयागः, गङ्गोत्तरी, यमुनोत्तरी, सौम्यकाशी (उत्तरकाशी = बाड़ाहाटः), टिहरी चेति।

गढवाल के प्रमुख तीर्थस्थल हरिद्वार, हृषीकेश (ऋषिकेश), देवप्रयाग, श्रीक्षेत्र (श्रीनगर), पञ्चबदरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, तुङ्गनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमेश्वर, कल्पेश्वर, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायण, कालिमठ, गोपेश्वर, सूर्यप्रयाग (तिलवाड़ा), कर्णप्रयाग, नन्दादेवी और नन्दा की राजयात्रा, रुद्रप्रयाग, गन्नोत्तरी, यमुनोत्तरी, सौम्यकाशी (उत्तरकाशी बाड़ाहाट) और टिहरी।

सहायकाः ग्रन्थाः–

(१) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवाचार्यकृतं **संस्कृत निबन्ध-शतकम्**. वाराणसी चत्वरम्. विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, १९८४.
द्विवेदी, कपिलदेव आचार्य. **संस्कृत निबन्ध-शतक** वाराणसी चौक. विश्वविद्यालय प्रकाशन, १९८४.

(२) राजकिशोरसिंह-धर्मेन्द्रनाथशास्त्रिकृतः **संस्कृतनिबन्धरत्नाकरः**. लखनऊः न्यू बिल्डिंग्स. अमीनाबादम्.
राजकिशोरसिंह, धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री. **संस्कृतनिबन्धरत्नाकर**, लखनऊ न्यू बिल्डिंग्स. अमीनाबाद.

(३) भारद्वाजोपाह्वशिवप्रसादकृतः **संस्कृतनिबन्धरत्नाकरः** दिल्ली नई सड़कम् अशोकप्रकाशनम्.
भारद्वाज, शिवप्रसाद. **संस्कृतनिबन्धरत्नाकर**, दिल्ली नई सड़क अशोक प्रकाशन.

(४) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृता **प्रौढर चनानुवादकौमुदी**. वाराणसी भैरवनाथः. विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, २०११.
द्विवेदी, कपिलदेव. **प्रौढरचनानुवादकौमुदी**. वाराणसी भैरवनाथ विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०११.

(५) नौटियालोपाह्वहंसोपनामचक्रधरकृता **बृहद्अनुवादचन्द्रिका**. दिल्ली। मोतीलालः बनारसीदासः. बंगलो मार्गः. जवाहरनगरम्. २०१३.
नौटियाल हंस, चक्रधर. **बृहद्अनुवादचन्द्रिका**. दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास. बंगलो मार्ग. जवाहरनगर, २०१३.

(६) श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गतकेदारखण्डः. **रत्नप्रभाभाषाव्याख्यासहितः**. व्याख्याकारः ब्रजरत्नभट्टाचार्यः नन्दप्रयागः प्रकाशकः महेशानन्दशर्मा भक्तिरसामृतकार्यालयः. मुद्रकः मुम्बई। खेमराज-कृष्णदासः श्रीवेंकटेश्वरस्टीमप्रेसः पुनः प्रकाशितः नवदिल्लीतः। मोतीलालः बनारसीदासः.
श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गतकेदारखण्ड. **रत्नप्रभाभाषाव्याख्या** सहित. व्याख्याकार ब्रजरत्नभट्टाचार्य. नन्दप्रयाग प्रकाशक महेशानन्दशर्मा भक्तिरसामृत कार्यालय. मुद्रक मुम्बई खेमराज कृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस. पुनः प्रकाशित नई दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास.

(७) कृष्णकुमार-नैथान्युपाह्वशिवप्रसाद-लक्ष्मीचन्द्रशास्त्री-उप्रेत्युपाह्वजयदत्तकृतं **गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ** इति. श्रीनगरम् हे. न. ब. गढ़वाल विश्वविद्यालयः. संस्कृतविभागः, १९८१.
कृष्णकुमार. नैथानी, शिवप्रसाद. लक्ष्मीचन्द्रशास्त्री और उप्रेती जयदत्त. **गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ** श्रीनगर हे. न. ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग, १९८१.

(८) नैथान्युपाह्वशिवप्रसादकृतम् **उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर इति**. श्रीनगरम् गढ़वालः पवेत्री प्रकाशनम् रमेशभवनम्. भक्तियाना, १९९७.
नैथानी, शिवप्रसाद. **उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर**. श्रीनगर गढ़वाल पवेत्री प्रकाशन. रमेश भवन. भक्तियाना, १९९७.